Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 26-07-2006

Participants : Virendra Kumar Shri

>

Title : Need to open large number of middle and higher secondary schools for physically challenged children in the country.

श्री वीरेन्द्र कुमार (सागर) : उपाध्यक्ष महोदय, हमारे देश में विकलांग बच्चे बहुत बड़ी संख्या में हैं जिनके लिए आज शिक्षा के समुचित संसाधन जितने जुटाए जाने चाहिए, उतनी व्यवस्था नहीं की गई है। इस कारण ग्रामीण क्षेत्रों में तो बहुत सारे बच्चे शिक्षा से वंचित रह ही जाते हैं, शहरी क्षेत्रों में भी शिक्षा संस्थानों का अभाव है। आज हम बाल दिवस मनाकर बड़े-बड़े आयोजन करते हैं, बच्चों को विकलांगता से बचाने के लिए पोलियो दिवस का आयोजन करते हैं किन्तु विकलांग बच्चों को शिक्षा का जो अधिकार मिलना चाहिए, उसे हम अनदेखा कर जाते हैं। आज देश के सभी राज्यों में जितने मिडिल एवं हाई स्कूल अंध, मूक, बधिर बच्चों के लिए चल रहे हैं, बड़े अपर्याप्त हैं।

मैं मध्य प्रदेश से आता हूं। सागर में मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा और पुराना विश्वविद्यालय है, लेकिन वहां अंध, मूक, बधिर बच्चों के लिए मात्र प्राइमरी स्कूल ही चल रहा है। पूरे मध्य प्रदेश में मात्र दो मिडिल स्कूल हैं और मूक, बधिर बच्चों के लिए मध्य प्रदेश में एक भी शासकीय हायर सैकंडरी स्कूल नहीं है। यह स्थिति सारे देश में है। मात्र एक स्कूल अंधों के लिए है।

अतः आपके माध्यम से मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि सारे देश में विशेा सर्वे अभियान चलाकर राज्यों की आवश्यकता के अनुरूप वहां अंध, मूक बच्चों के लिए हायर सैकंडरी एजूकेशन की व्यवस्था की जाए। बहुत-बहुत धन्यवाद।

उपाध्यक्ष महोदय : श्रीमती सतीदेवी का विाय श्री सुनील खान के विाय से मिलता-जुलता है, इसलिए उनका नाम भी इस मुद्दे के साथ एसोसिएट कर दिया जाए।